2 चतुर तेनालीराम

कहानी

पाठ चर्चा : प्रस्तुत कहानी में राजा कृष्णदेव राय के दरबारी तेनालीराम की बुद्धिमत्ता के बारे में बताया गया है। राजा कृष्णदेव प्रायः अपने दरबारियों की परीक्षा लेते रहते थे। सभी दरबारियों में तेनालीराम अपनी बुद्धिमानी व हाज़िरज़वाबी के लिए प्रसिद्ध थे। आओ, अब पढ़कर जानें कि इस बार तेनालीराम ने किस तरह अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया....।

एक दिन की बात है। राजा कृष्णदेव राय रोज़ाना की तरह अपने राजदरबार में बैठे थे। उनके सभी दरबारी भी राजसभा में उपस्थित थे। उन्होंने अपने दरबारियों की परीक्षा लेनी चाही। उन्होंने तेनालीराम सहित सभी दरबारियों को दस-दस अशरफ़ियाँ देते हुए कहा, "ये अशरफ़ियाँ आपकी हैं। इन्हें आप अपने ऊपर ही खर्च करें, मगर प्रत्येक अशरफ़ी को हमारा मुँह देखकर खर्च किया जाए।"

सभी दरबारी अशरफ़ियाँ पाकर बहुत खुश हुए। अपनी-अपनी अशरफ़ियों से भरी थैलियाँ लेकर वे वहाँ से चले गए। मगर बाज़ार में जाकर जैसे ही उन्होंने कुछ सामान खरीदना चाहा, वैसे ही परेशान हो गए।

परेशानी यह थी कि अशरफ़ी खर्च करने से पहले महाराज का मुँह कैसे देखें? सभी दरबारियों की यही स्थिति थी। वे बेहद परेशान हो उठे। जो काम जितना आसान था, अब उतना ही टेढ़ा लग रहा था। क्या करें, क्या न करें, इसी उलझन में एक सप्ताह बीत गया।

सभी दरबारी महाराज के पास पहुँचे। महाराज ने पूछा, "किसने क्या-क्या खरीदा?"

"क्षमा करें महाराज, हम कुछ भी नहीं खरीद पाए। खरीदते भी कैसे? आपकी शर्त ही ऐसी थी। बाज़ार में हम आपके दर्शन कैसे करते? इसलिए कुछ भी नहीं खरीद सके।" सभी दरबारियों ने कहा।

तभी तेनालीराम वहाँ पहुँचे। ऊपर से नीचे तक एकदम सजे-धजे। नए कपड़े, नई पगड़ी, गले में मोतियों की माला, सब कुछ एकदम नया। राजा ने पूछा, "तेनाली! तुमने क्या खरीदा?"

"महाराज, आप स्वयं ही देख रहे हैं। ऊपर से नीचे तक सब नया है।", तेनालीराम ने मुसकराते हुए कहा। राजा कृष्णदेव क्रोधित होकर बोले, "इसका मतलब है कि तुमने हमारी आज्ञा का उल्लंघन किया है।"

दरबार में बैठे तेनालीराम के शत्रु दरबारी यह सुनकर बहुत खुश हुए। उन्हें लगा आज तो तेनाली फँस गया। आज उसे अवश्य सजा मिलेगी। मगर तेनालीराम तो थे ही सबसे बुद्धिमान। वे मुसकराते रहे।

इससे पहले कि राजा कृष्णदेव कुछ और कहते, वे बोले, "बिलकुल नहीं महाराज! मैंने आपकी आज्ञा का कोई

उल्लंघन नहीं किया है। मैंने अपनी प्रत्येक अशरफ़ी आपका पवित्र मुख देखकर ही खर्च की है।"

राजा ने आश्चर्य से पूछा, "मगर कैसे? हम तो राजमहल में थे।"

तेनालीराम ने हाथ जोड़कर कहा, "महाराज, आप भूल रहे हैं कि प्रत्येक अशरफ़ी पर आपका चित्र अंकित है। मैंने उसे देख-देखकर ही अशरफ़ियाँ खर्च की हैं।"

"वाह! वाह! बहुत खूब", राजा कृष्णदेव ने तेनालीराम की दिल खोलकर प्रशंसा की। अन्य सभी दरबारी तेनालीराम की चतुराई देखकर हक्के-बक्के रहे गए।

शब्दार्थ

दरबारी	दरबार में बैठने वाले	उपस्थित	हाज़िर
अशरफ़ी	सोने के सिक्के	परेशान	दुखी
बेहद	बहुत अधिक	स्वयं	खुद, अपने आप
क्रोधित	नाराज़	उल्लंघन	आज्ञा न मानना
शत्रु	दुश्मन	पवित्र	पावन
आश्चर्य	हैरानी	चित्र	तसवीर
अंकित	छपा हुआ	प्रशंसा	बड़ाई

मुहावरा : **हक्का-बक्का होना** — हैरान होना

श्रुतलेख :

कृष्णदेव	उपस्थित	परीक्षा	अशरफ़ियाँ	थैलियाँ
स्थिति	सप्ताह	क्रोधित	उल्लंघन	बुद्धिमान
मुसकराते	पवित्र	आश्चर्य	प्रशंसा	हक्के-बक्के

अभ्यास

मौखिक कार्य.....

❖ **उत्तर बताओ :**

क. राजा कृष्णदेव राय ने दरबारियों की परीक्षा लेने के लिए क्या किया?

ख. अशरफ़ी खर्च करने की क्या शर्त थी?

ग. अशरफ़ी खर्च करने में क्या परेशानी हुई?

घ. तेनालीराम ऊपर से नीचे तक कैसे सजे-धजे थे?

लिखित कार्य.....

1. दिए गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखो :

क. सभी दरबारी बेहद परेशान क्यों थे?

.....

ख. राजा कृष्णदेव राय तेनालीराम पर क्रोधित क्यों हुए?

.....

.....

ग. शत्रु-दरबारी किस कारण खुश थे?

.....

.....

घ. तेनालीराम ने राजा की आज्ञा का पालन किस प्रकार किया था?

.....

.....

2. सही उत्तर के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

क. तेनालीराम किसके दरबार में थे?

(i) राजा पुष्पदेव राय ☐ (ii) राजा रामनरेश राय ☐ (iii) राजा कृष्णदेव राय ☐

ख. राजा ने दरबारियों को कितनी-कितनी अशरफ़ियाँ दीं?

(i) दस-दस ☐ (ii) पंद्रह-पंद्रह ☐ (iii) बीस-बीस ☐

ग. अशरफ़ियों पर क्या अंकित था?

(i) राष्ट्रीय पशु ☐ (ii) राजा का चित्र ☐ (iii) रानी का चित्र ☐

3. खाली स्थान पर उचित शब्द लिखो :

क. तेनालीराम राजा कृष्णदेव राय के ..... थे।

ख. वे अपनी हाज़िरज़वाबी के लिए ..... थे।

ग. वे राजा कृष्णदेव राय का ..... करते थे।

घ. बहुत-से दरबारी तेनालीराम से बहुत ..... थे।

सम्मान
जलते
दरबारी
प्रसिद्ध

4. पाठ के अनुसार वाक्यों को ठीक करके लिखो :

क. ये अशरफ़ियाँ आप परिवारवालों के ऊपर ही खर्च करें।

~~ये अशरफ़ियाँ आप अपने ऊपर ही खर्च करें।~~.....

ख. सभी दरबारियों की बुरी स्थिति थी।

.....

ग. मैंने आपकी आज्ञा का पालन नहीं किया है।

.....

भाषा की बात.....

1. पाठ से अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) चिह्न वाले शब्द ढूँढ़कर लिखो :

ं — ....

ँ — ....

2. वर्णों को जोड़कर सही शब्द लिखो :

क. द् + अ + र् + अ + ब् + आ + र् + ई — .....

ख. अ + श् + अ + र् + अ + फ़ + ई — .....

ग. म् + उँ + ह् + अ — .....

घ. श् + अ + र् + त् + अ — .....

ङ. म् + अ + ह् + आ + र् + आ + ज् + अ — .....

3. खाली स्थान में है, हैं, हूँ लिखकर वाक्य पूरा करो :

क. प्रत्येक अशरफ़ी मेरा मुँह देखकर खर्च करनी .....।

ख. तेनाली! तुमने क्या खरीदा .....?

ग. मैं कभी गलती नहीं करता .....।

घ. मैंने आपकी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया .....।

ङ. आप भूल रहे ..... कि प्रत्येक अशरफ़ी पर आपका चित्र अंकित .....।

4. विलोम शब्द लिखो :

दिन	×	उपस्थित	×	पहले	× .....
आसान	×	पास	×	ऊपर	× .....
नया	×	शत्रु	×	सज़ा	× .....

विचार-कौशल.....

❖ **चाणक्य एक कूटनीतिज्ञ थे। अपने विचार एक अनुच्छेद में लिखो।**

.....

.....

.....

.....

रचनात्मक कार्य.....

❖ **अकबर और बीरबल की कोई कहानी पढ़कर कक्षा में सुनाओ।**